बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १८ जुलाई, २००४) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी ओर उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र. १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखें । ६

१. ''तुम्हारे गुरुजी को पहले कभी ऐसा हुआ था ?''
२. ''आप परमहंस बन चूके है । हमारी आज्ञा से आप गृहास्थाश्रम में ही रहो ।''
३. ''बैंगन लोया के अच्छे या गढ़डा के ?''

प्र. २ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसंग को कारण सहित समजइए । (नौ पंक्ति में) ६

१. उका खाचर देर से आए फिर भी महाराज प्रसन्न हुए ।
२. श्रीजीमहाराज और संत-भक्त बिना भोजन किए ही लौट पड़े ।
३. बंधिया के जैन महाजनों ने महाराज से क्षमा माँगी ।

प्र. ३ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. आज्ञा **अथवा** *मानसी पूजा*
२. रामबाई **अथवा** *राजाभाई*

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ६

१. 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ की रचना किसने की ?
२. महाराज के विरह से कृपानंद स्वामी को क्या होता था ?
३. जेठा मेर और उनकी पत्नी कब से ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते थे ?
४. ब्रह्मचर्य के आठ प्रकार में से चार लिखिए ।
५. अद्‌भुतानंद स्वामी की बातों से उनके जो दो भाई साधु हुए, उनके नाम क्या रखे गए ?
६. कारियाणी-६ में महाराज ने सोमला खाचर की क्या प्रशंसा की है ?

प्र. ५ *राजा को पानी नहीं पिलाया .....* **स्वामी की बात पूर्ण करके विवरण लिखिए । ५**

अथवा

वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण ५४ **का निरूपण करें ।**

प्र. ६ नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । ५

प्रसंग : भक्तराज मगनभाई ।

१. मगनभाई का जन्म चारुत्तर प्रदेश के वसो गाँव में हुआ था । २. मगनभाई ने गाना गाँव के हरमानभाई को सत्संग करवाया । ३. ई. स. १९३४ में उन्होंने पूर्व अफ्रिका मंडल की स्थापना कीजाबे में की । ४. निर्गुणदास स्वामी ने फिरसे आशीर्वाद दिए ''प्रयत्न कीजिए, सत्संग होगा ।'' ५. शास्त्रीजी महाराज और सहजानंद स्वामी को याद करते हुए कई बार आँसू बहाते थे । ६. मगनभाई के प्रयत्न से युगान्डा के प्रवेशद्वार जीन्जा में भी सत्संग हुआ । ७. शास्त्रीजी महाराज कहते थे की मगनभाई का समागम करना । ८. मगनभाई ने सत्संग का रंग लंडन, अमरिका तक पहुँचा दिया । ९. उन्हें सारी रात कथावार्ता करने की लगन थी । १०. सुबह में ३ बज़े ब्राह्ममुहूर्त में गोंडल में अचानक हृदय बंद हो जाने से वे अक्षरनिवासी हुए ।

प्र. ७ निम्न में से किन्हीं दो पंक्ति को पूर्ण कीजिए । ४

१. काल माया ..... अहं नमामि ।
२. कल्पतरु सर्वना ..... तत्काल त्यारे ।
३. व्हाला तारी आंगलीओंनी ..... हमणां मळो रे लोल ।

प्र. ८ निम्न में से किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । ४

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करें ।
प्रगल्भाय नमः ..... दीर्धदर्शिने नमः ।
२. श्वासेन साक ..... शरणं प्रपद्ये ॥
३. ब्रह्मभूतः ..... पराम् ॥

(विभाग - २ : गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र. ९ निम्न कथन कौन, किसे और कब कहते हैं यह लिखिए । (किन्हीं दो) ६

१. ''एक बार मेरी भी दृष्टि तो उस पर पड़ी थी ।''

२. ''बड़े तो एक खुदाताला है ।''

३. ''महाराज ने प्रसन्न होकर आपको पुष्पहार दिया है, तो वह रखना चाहिए ।''

प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझाइए । (नौ पंक्ति में) ६

१. स्वामी ने अपने हिस्से का लड्डू एक साधु को दे दिया ।

२. हामापर गाँव के करसन बांभणिया की आँखें भर आई ।

३. चरवाहा ने राजी होकर स्वामी को गुरु के रूप में स्वीकार किया ।

प्र. ११ निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. सूक्ष्म तप ।

२. हमारे अक्षरधाम की भेंट ।

३. मान-अपमान में एकता ।

प्र. १२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ५

१. गुणातीतानंद स्वामी ने अंतिम पधरावनी किसके घर की ? कहाँ ?

२. शुकमुनि गुणातीतानंद स्वामी के लिए आसन ढूँढते थे, तब महाराज ने क्या कहा ?

३. शतानंद को एक बार मिलने से श्रीजीमहाराज को क्यों कठिन लगा ?

४. जूनागढ़ में मंदिर करने के लिए जमीन किसने दी ?

५. आत्मानंद स्वामी और कृपानंद स्वामी के बीच बैठे हुए स्वामी को देखकर महाराज ने क्या कहा ?

प्र. १३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग का वर्णन करके भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) ४

१. ''मेरा वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं ।''

२. चिथड़ों में लपेटा हुआ रत्न ।

३. रंक के राय ।

प्र. १४ निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. बाल मूलजी महाराज के बारे में कौन-सी बातें करते थे ?

(अ) आज तो मेरे प्रभु छपिया से अयोध्या आएँगे ।

(ब) आज तो मेरे प्रभु पुरुषोत्तमनारायण को अयोध्या में यज्ञोपवीत संस्कार दिया जा रहा है ।

(क) वनमां वहालो विचरे, आवशे आपणे गाम ।

(ड) आज तो मेरे प्रभु गद्दी पर बैठेंगे ।

२. स्वामी ने किन किन सद्गुरुओं के मंडल में विचरण किया है ?

(अ) आत्मानंद स्वामी

(ब) मुक्तानंद स्वामी

(क) ब्रह्मानंद स्वामी

(ड) कृपानंद स्वामी

३. स्वामी ने किन किन व्यक्तिओं के व्यवहार में परिवर्तन किया ?

(अ) मावजी मिस्त्री (ब) बाउद्दीन

(क) जसा भगत (ड) हंसराज पटेल

(विभाग - ३ : 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र. १५ निम्न में से किन्हीं तीन के बारे में बीस पंक्ति में विस्तृत टिप्पणी लिखिए । २१

१. अक्षर के ज्ञान का उद्घोष **अथवा** *एकांत का सुख*

२. गोरधनभाई **अथवा** *गलुजी*

३. रघुनाथदास को सत्संग से निकाला **अथवा** *सहजानंदी होना चाहिए*

❋ ❋ ❋